08/08/2020

Philosophy

Paper VIII

Ajeet kumar
Assistant professor
C.M.J College
Donwarihat

अशुभ की समस्या

अशुभ की समस्या एक धर्म दर्शन कि मे सर्वज्ञ सर्वशक्तिमान और दयालु ईश्वर तथा इस विश्व मे मौजूद बुराई या अशुभ के बीच तालमेल बैठाने की समस्या का सम्बन्ध मुख्यतः एक ईश्वरवादी धर्मों से है जैसे कि यहूदी ईसाई, इस्लाम और सिक्ख धर्मों के लिए यह एक समस्या है जैन और बौद्ध धर्मों के लिए अशुभ की समस्या इस अर्थ में कोई समस्या नहीं है बल्कि बौद्ध धर्म मे इस विश्व मे दुःख की उपस्थिति को ईश्वर के अस्तित्व के विरुद्ध एक युक्ति के रूप में इस्तेमाल किया गया है। बौद्ध धर्म मे मुख्य समस्या यह है कि दुःख से कैसे छुटकारा पाया जाए

हिन्दू धर्म के लिए अशुभ की समस्या
समस्या उस हद तक ही एक
समस्या है जिस हद तक इसके
अन्तर्गत ईश्वरवाद का समर्थन
किया गया है। निरीश्वरवाद या
निर्गुण पक्ष के सन्दर्भ में भी
यह कोई समस्या नहीं है।
हिन्दू ~~[illegible]~~ धर्म के अनुसार
अशुभ की समस्या मनुष्य सहित
से सम्बन्धित ऐसे बहुत बड़े
प्रश्न है। निर्माता ईश्वर है और भी
परम शक्तिशाली भी है तो जगत
अशुभ क्या कर रहा है ईश्वर
कल्याणमय व दयालु है... सभी को
प्रेम करता है तो इस जगत में
चारों तरफ ~~आनन्द~~ आनन्द ही आनन्द
होना चाहिए था। मानव जीवन में
दुःख-संताप रोग व्यापकता और
भयभीत कर देने वाली प्राकृतिक
आपदा कई रूपों में अविश्वसनीय
बना देती है।